**भारत सरकार**
**शिक्षा मंत्रालय**
**उच्चतर शिक्षा विभाग**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या-2103**
**उत्तर देने की तारीख-05/08/2024**

**छत्तीसगढ़ में संस्कृत का संवर्धन**

**2103. श्री चिंतामणि महाराज:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 1965 में ही वन आच्छादित जनजाति बहुल क्षेत्रों में संस्कृत पढ़ाना पाठ्यक्रम का भाग बन गया था और इसे समरबार आश्रम में संत गहिरा गुरु किया गया था;
(ख) क्या सरकार का संस्कृत के माध्यम से जनजातियों के सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए संस्कृत स्कूलों और कॉलेजों की आवश्यकता वाले छत्तीसगढ़ में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए कोई योजना शुरू करने का विचार है; और
(ग) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सरगुजा में पांच स्कूल और दो कॉलेज स्थापित किया जाना अपेक्षित है?

**उत्तर**

**शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(डॉ. सुकान्त मजूमदार)**

(क) और (ख): भारत सरकार ने देश में संस्कृत भाषा के प्रचार और प्रसार के उद्देश्य से तीन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नामतः केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति स्थापित किए हैं।

इसके अलावा, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के माध्यम से संस्कृत को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो देश में संस्कृत भाषा के परीक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए नोडल एजेंसी है। विश्वविद्यालय का मुख्यालय दिल्ली में है और देश के विभिन्न राज्यों में इसके 12 परिसर स्थित हैं। अपने शिक्षण और शोध कार्यकलापों के अलावा, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए विभिन्न केंद्रीय योजनाओं को क्रियान्वित करता है। इन योजनाओं के तहत, छत्तीसगढ़ सहित देशभर में संस्कृत शिक्षा और आधुनिक विषयों के प्रचार-प्रसार एवं विकास में लगे व्यक्तियों/विद्वानों/संस्थाओं/संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

(ग) और (घ): वर्तमान में, इस योजना के तहत, छत्तीसगढ़ के सरगुजा में स्कूल और दो कॉलेज स्थापित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है।

*****